दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 197
मुरादाबाद
(Friday)
06 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदीः प्रधानमंत्री ने साझा किया महाभारत का लोक; बताया- सत्य से धर्म और सदाचार से होती है परिवार की रक्ष



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाभारत का एक संस्कृत श्लोक साझा किया। इसमें सत्य से धर्म, अभ्यास से विद्या और सदाचार से परिवार की प्रतिष्ठा बनाए रखने का संदेश दिया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया गया है।

इसके जरिए धर्म और परिवार की रक्षा का संदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर संस्कृत श्लोक, सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याभ्यासेन रक्ष्यते। मृजया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥ साझा किया है। इसका हिंदी में अर्थ है कि धर्म की रक्षा सत्य से होती है, विद्या की रक्षा उसके नियमित अभ्यास से। रूप की रक्षा सौम्यता से होती है और परिवार की रक्षा मनुष्य के सदाचार से होती है।सत्येन रक्ष्यते धर्म अर्थात सत्य बोलने और सत्य का पालन करने से धर्म की रक्षा होती है। विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते अर्थात निरंतर अभ्यास (या अध्ययन) करने से विद्या सुरक्षित और जीवंत रहती है। मृजया रक्ष्यते रूपम् का मतलब है कि स्वच्छता और सजगता से शरीर तथा रूप-सौंदर्य की रक्षा होती है।

कुलं वृत्तेन रक्ष्यते का अर्थ है कि अच्छे आचरण, चरित्र और सदाचार से कुल (वंश) की प्रतिष्ठा बनी रहती है।यह प्रसिद्ध संस्कृत श्लोक महाभारत (उद्योग पर्व - 34/39) से लिया गया है। महाभारत के उद्योग पर्व के अंतर्गत अध्याय 39 (प्रजागर पर्व का हिस्सा) महाराजा धृतराष्ट्र और महात्मा विदुर के संवाद से जुड़ा है।इस अध्याय के प्रारंभ में राजा धृतराष्ट्र मनुष्य की परवशता, कर्म और दैवी (भाग्य) शक्ति पर विचार करते हुए विदुर से मार्गदर्शन और आत्मज्ञान की बातें पूछते हैं। महात्मा विदुर धृतराष्ट्र को धर्म, सदाचार, सज्जन पुरुषों के लक्षण और राजा के कर्तव्यों का गहरा उपदेश देते हैं। इस अध्याय में यह बताया गया है कि मनुष्य किस तरह मोह, लोभ और अहंकार में फंसकर विनाश के मार्ग पर चला जाता है और सच्चे ज्ञानी तथा नीतिवान व्यक्ति को कैसा आचरण करना चाहिए।इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, प्रतिबोधविदितं मतममृतत्वं हि विन्दते। आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम्॥ साझा किया गया था, जिसका हिंदी भावार्थ है कि आत्मज्ञान से मनुष्य को आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास मिलते हैं, जो उसे मानसिक तनाव से मुक्त करते हैं। अपने अनुभव से अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानना ही सच्चा ज्ञान है और यही ज्ञान मनुष्य को परम शांति तथा अमरत्व की ओर ले जाता है।

संक्षिप्त समाचार

विदेश दौरे बंद करें, तभी जीतेंगेः रिजिजू का राहुल पर तंज, कहा- भाजपा को दुश्मन नहीं, सियासी विरोधी मानें

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस चुनाव में ज्यादा सीटें जीतना चाहती है, तो उसके नेताओं को कुछ बातों पर ध्यान देना होगा। रिजिजू ने राहुल गांधी के सामने सात शर्तें रखते हुए कहा कि अगर वे इन पर अमल करें तो कांग्रेस के सांसदों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर ये बातें कहीं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस चुनाव में ज्यादा सीटें जीतना चाहती है, तो उसके नेताओं को कुछ बातों पर ध्यान देना होगा। रिजिजू ने राहुल गांधी के सामने सात शर्तें रखते हुए कहा कि अगर वे इन पर अमल करें तो कांग्रेस के सांसदों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर ये बातें कहीं।केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी को यह भी नसीहत दी कि उन्हें भारत विरोधी लोगों से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। बनाकर रखनी चाहिए। उन्होंने अपनी पोस्ट में राहुल गांधी की विदेश यात्राओं और वहां होने वाली मुलाकातों को लेकर भी तंज कसा।जपा और मोदी के प्रति नफरत छोड़ने को कहा-जिजू की तीसरी और चौथी नसीहत में राहुल गांधी से भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी नफरत खत्म करने की बात कही गई।

सीएम योगी बोले- भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता व अस्थिरता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी दल भारत के लोकतंत्र को अराजकता और अस्थिरता की आग में झोंकने का प्रयास कर रहे हैं। जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार नकार रही है।लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर लगातार हमलावर हैं।

उन्होंने गुरुवार को फिर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार नकार रही है। सीएम योगी आज गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित हमारी राष्ट्रीय शक्ति है। जनता के द्वारा लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन के द्वारा भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का निरंतर प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि भारत के लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर आज गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में सहभाग करूंगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और भारत के लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा में शमिल होकर इंडिया गठबंधन पर लगातार प्रहार कर रहे हैं।

हम आपसे डरते नहीं हैंः राहुल गांधी पर अश्विनी वैष्णव का तीखा हमला, कहा-जिस मुद्दे पर चाहें, बहस कर लें



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें सोशल मीडिया के बजाय संसद में आकर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने ईवीएम पर कांग्रेस के सवालों को खारिज किया और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के लिए विपक्ष को घेरा। रेल, सूचना एवं प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग बहस की मांग कर रहे हैं। उन्हें सही मंच यानी संसद में आना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के दौरान बोलते हुए वैष्णव ने कहा, संसद में आइए, आप जिस विषय पर चाहें, हम उस पर बहस करेंगे। आइए, आमने-सामने बात करते हैं। हम आपसे डरते नहीं हैं। आप आइए और जिस विषय पर चाहें, उस पर बहस कीजिए। उन्होंने आगे कहा, उन्हें सोशल मीडिया पर नहीं, बल्कि संसद के पवित्र कक्षों में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जनता के बीच भरोसा कायम करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है, जहां हम किसी भी अन्य देश के साथ बराबरी के स्तर पर बात कर सकते हैं और उनकी आंखों में आंखें डालकर बात कर सकते हैं। अब हम अपने विरोधियों के गढ़ में जाकर उनसे मुकाबला कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग आज ईवीएम की आलोचना कर रहे हैं। असल में उन्हीं लोगों ने ईवीएम को लागू किया था। उन्होंने कहा, ईवीएम के आने से पहले, किसी को पता नहीं होता था कि शाम 5 बजने के बाद मतपेटियों में क्या भरा जा रहा है। हमने 50 साल विपक्ष में बिताए, फिर भी अटल बिहारी वाजपेयी और एल.के. आडवाणी जैसे नेताओं ने कभी किसी संस्था पर आरोप नहीं लगाए। केरल में क्या हुआ, उसे देखिए; वहां कौन जीता? यह नाच न जाने आंगन टेढ़ा% (काम न कर पाने पर औजारों को दोष देना) वाली कहावत का सटीक उदाहरण है। जब कोई अपनी पार्टी छोड़कर आंख मूंदकर सिर्फ एक परिवार के पीछे चलने लगता है, तो ऐसा ही होता है। नक्सलवाद पर क्या कहा? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नक्सलवाद, जिसने हमारे ही लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया था, उसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हम नशीले पदार्थों की समस्या को न केवल पंजाब से, बल्कि पूरे देश से जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि कांग्रेस को लोकतंत्र के मायने के बारे में क्या ही पता होगा, और याद दिलाया कि उन्होंने कितनी सरकारों को गिराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एक दिन कांग्रेस पूरे देश के सामने हंसी का पात्र बन जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस अक्सर सीबीआई, ईडी और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर आरोप लगाती रहती है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अपील, धन ही जिनके लिए धर्म ऐसे कथाकारों को न बुलाएं आयोजक



सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि विवादित बयान देने वाले कथावाचकों को आयोजक अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित न करें। इससे उन्हें राजनीतिक रूप से लाभ नहीं बल्कि नुकसान ही होगा।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आयोजक और प्रायोजक ऐसे कथाकारों को न बुलाएं जो कि अपने बयानों से समाज में वैमनस्यता पैदा करते हैं। इनके लिए धन ही इनका धर्म है। इन लोगों को बुलाने से आयोजकों को जनता के कोप का भाजन बनना पड़ जाएगा। ऐसे में राजनीतिक लाभ की जगह उन्हें नुकसान ही होगा। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि दुष्प्रचारी लोगों के संबंध में 'शासन-प्रशासन' के साथ ही उनके कार्यक्रम करवाने वाले सभी आयोजकों और प्रायोजकों से विनम्र आग्रह है कि वो ऐसे तथाकथित कथाकारों से दूर ही रहें। ये ही नहीं, ऐसे एक-दो और भी तथाकथित कथावाचक हैं जो बोलने और पहनने से कथावाचक तो दिखते हैं पर कथा और प्रवचन उनका व्यवसाय है। वो समय-समय पर अपनी भौतिक उपलब्धि का भोंडा प्रदर्शन करते-करवाते रहते हैं। ऐसे लोग सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए सदैव अनर्गल बातें करते हैं। धन ही इनका धर्म होता है।इसीलिए आयोजकों और प्रायोजकों को ये सोचना चाहिए कि ये कुछ भी कहकर राजनीतिक प्रश्रय पाकर बच निकलेंगे लेकिन उन आयोजकों और प्रायोजकों को तो उसी शहर में जनता के बीच रहना है। इनके कुवचनों से जन्मे सामाजिक वैमनस्य का शिकार उन्हें ही होना पड़ेगा। जब जनता को ये नहीं मिलेंगे तो जनता इन जैसे नकारात्मक लोगों को आमंत्रित करनेवालों को ही अपने कोप-आक्रोश का शिकार बनाएगी क्योंकि आस्थावान तो यही मानेंगे कि ये दुर्वचनी भगवानों के बारे में जो अपशब्द या कुविचार प्रकट कर रहे हैं वो सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत नुकसान भोगेंगे और जनता की निगाह में उनकी धर्म-विरोधी, भगवान विरोधी छवि बन जाएगी। सामान्य शब्दों में कहा जाए तो उनको 'लेने के देने' पड़ जाएंगे , उनकी सारी राजनीति धरी की धरी रह जाएगी। अतः आयोजकों-प्रायोजकों से पुनः आग्रह है कि समाज-सनातन के बीच खाई पैदा करनेवाले ऐसे लोगों को खाद-पानी देकर उनकी विषबेल न बढ़ाएं, न ही ईशनिंदा में भागीदार बनें अन्यथा इनके मौखिक पापों की सजा उन्हें भी भुगतनी पड़ेगी।

2027 चुनाव को लेकर बसपा की समीक्षा बैठक, छह दिसंबर को लखनऊ में ताकत दिखाएंगी मायावती



बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में आयोजित समीक्षा बैठक में यूपी चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। बसपा छह दिसंबर को लखनऊ में बड़े समारोह का आयोजन कर शक्ति प्रदर्शन करेगी।बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को लखनऊ में पार्टी की यूपी स्टेट यूनिट की बड़ी बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने 6 दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाणडु दिवस पर लखनऊ में आयोजित होने वाले विशाल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पर सहमति दे दी।

इस घोषणा का बैठक में जोरदार तालियों और ओजस्वी नारों के साथ स्वागत किया गया और इसे ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस समारोह में बसपा आगामी चुनाव को लेकर शक्ति प्रदर्शन करेगी। बीएसपी यूपी स्टेट कार्यालय, 12 माल एवेन्यू में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में स्टेट, मंडल सहित सभी स्तर के पदाधिकारी और प्रदेश के 75 जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल हुए।

मायावती ने बूथ स्तर तक की जमीनी तैयारियों, अच्छे उम्मीदवारों के चयन और सर्वसमाज, खासकर गरीब व कमजोर तबकों में वोटों की शक्ति की जागरूकता बढ़ाने संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

संपादकीय Editorial

A Script of Mysteries

If youthful ambition and journey become the coffin of success, then something is wrong with our upbringing. The unfolding events surrounding Durgesh, a student at Hamirpur's Polytechnic Institute, are disturbing, where the standards of stubbornness were completely stolen. Who were the people who used fake documents from the Defence Innovation Organisation to manipulate Sarvesh Kumar in the name of a drone project? Surprisingly, amidst reports of a 3.5 crore grant approval, an online fraud incident is added, making the case suspicious. It is also surprising that the student falls from the third floor of the institute. The script of this mystery has many twists and turns, which can disturb the minds of parents. The urgency of this case will not only be revealed through a criminal case, but is also a cause for widespread social concern. In another case, a young man from Kangra disguised himself as a fake military officer, exposing the wounds in our social fabric. What goal was the young man trying to achieve by posing as a fake officer, and why did he embrace death when caught? No matter how many branches of crime are visible in both cases, many questions are now being raised in the social and cultural environment. For some time now, such tendencies have been taking root among Himachal's youth, where there is a well on one side and a ditch on the other. Why are young people, driven by addiction and seeking employment in the pursuit of easy earnings, willing to ruin their lives?

The allure of government jobs to find a livelihood proved misleading, and many young people chose the wrong path to their suffering, abilities, and lives. It is a weakness in the framework of our educational institutions that, unable to keep up with the competition, they take wrong steps. Clearly, such incidents are posing a challenge to law and order. Influenced by the increasing need for online life and the dangerous shortcuts emerging in the money market, young people are now exploring a world that cannot be seen through normal means. On the other hand, the organized criminal network in Himachal has begun to reach out not only to neighboring states but also to national and international gangs. Such doors have opened for youth involvement in drug abuse, posing a danger signal for future generations. One reason for the increasing traffic congestion in Himachal is the display of youth potential. The number of fatal accidents caused by speeding young drivers, especially on two-wheelers, is increasing across the state. Consequently, the state will inevitably need to implement all measures to control traffic. Youth courage is reflected in many ways in Himachal. While some children are proving to be the best in life's competition, the untapped potential of most children leads to frustration or, at times, to seek wrong paths to advancement. In such a situation, if everyone from parents to teachers and society understands the mental pressures of this generation, positive thinking can better utilize the youth's potential. To establish the state's youth policy on a solid foundation, continuous efforts will be required to present all the possibilities, challenges, and opportunities.

Security and Concerns: AI agents accessing bank accounts, increasing risk with convenience; who will be responsible if money is deducted?

The growing prevalence of AI agents in banking systems around the world, including India, may be convenient, but they are also posing a new security challenge. Imagine you hire someone to help you pay your bills and entrust them with your net banking password. Now, imagine if your bank has any way to identify whether you are using the account or the person helping you? Recently, several major US banks have reported a similar problem.

According to an Axios report, several prominent US banks have found AI agents in customer accounts. These are not AI agents created or authorized by the banks themselves. Rather, they are agents granted access to their accounts by customers themselves. These agents were also seen performing tasks for which the customers had not instructed them. While there have been no reports of any agents transferring money on their own, the problem is serious, and the reason is somewhat strange. In fact, these AI agents don't hack into bank accounts on their own; rather, people themselves allow them access. For example, you use an AI assistant and ask it to pay a bill. It asks for your bank login details. You provide them with all the information. From that moment on, every time it logs in, the bank assumes you're the one logging in. The bank has no easy way to identify whether it's you or the AI ??agent. Banks typically use security systems that alert if an unknown person logs in to their account at an unusual time or place. However, this entire system relies on the assumption that the bank can distinguish between you and another person. assumption is undermined in the case of AI agents. There's another problem. The bank login doesn't allow agents to view account balances and transaction details, but they can't withdraw or transfer money. This means they can use the same password to read your bank statement and transfer money or perform other tasks. Therefore, the serious question is who will compensate for any losses? The stance of American banks indicates that if a person gives their bank login to software and it acts against their wishes, the account holder may be held accountable.In India, too, questions are being raised about the cybersecurity of banks and the privacy of customers' personal information. Recently, the State Bank of India confirmed that the personal information of approximately 4,000 of its customers was leaked on the dark web. Meanwhile, India is rapidly advancing towards digital payments through AI. Payment service provider Razorpay, in collaboration with NPCI, has launched "Agentic UPI." This allows people to order and pay for goods on online platforms while chatting with AI tools. There's no need to repeatedly enter your PIN. While this is certainly convenient, it's also the very system American banks are now trying to distance themselves from. It's not yet clear what happens if an agent does something a customer didn't want. Will the account holder be held accountable for such a mistake in India? The answer remains to be seen. It would be better to establish clear rules regarding this. This should happen before pilot projects are put into use, not after someone's bank account is emptied. The use of AI agents for financial transactions in India will likely grow faster than in other countries. What's worrying is that once again, convenience has come first, leaving behind necessary security measures.

Delays in justice have become unbearable.

To address the grave problem of delays in justice, it is imperative to establish accountability not only for lower courts but for the entire judicial system, including the Supreme Court, so that people receive timely, just justice. Hardly anyone is unfamiliar with the saying, "Justice delayed is justice denied, but repeated delay is injustice." The renowned constitutional expert and jurist Nani Palkhivala also famously stated that delay is the biggest drawback of justice administration in India, and that he is unaware of any country in the world where trials drag on for as long as in India. He also said, "In India, there are too many laws and too little justice." All these famous statements only illustrate the gravity of the challenges facing the Indian judiciary.The Supreme Court's recent observation, expressing serious concern over the administrative independence of the National Company Law Tribunal (NCLT) and the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT), remarking that these institutions have been "completely hijacked" by the Ministry of Corporate Affairs, is clear evidence that simply establishing specialized tribunals or judicial forums does not ensure speedy justice. Due to massive vacancies, lack of infrastructure, and lax administrative control in these institutions, litigation is often delayed for years, rather than weeks or months, causing significant financial and psychological damage to business disputes and ordinary citizens. Ironically, the specialized institutions created to expedite case resolution are themselves suffering from administrative and systemic constraints. One of the major reasons for the long delays in the disposal of cases in lower courts, appellate tribunals, and other judicial forums, and the often ambiguous or erroneous decisions, is the complete lack of accountability. Often, superficial or legally weak judgments passed by lower courts are overruled by the High Courts and the Supreme Court, and harsh comments are also made on them. However, it is never publicly known what disciplinary action was ultimately taken against such judges. On the contrary, the basis for the promotion of these judges and the internal evaluation system are completely opaque, creating distrust in the judicial system among the general public and especially litigants. To overcome this dual challenge, it is essential to understand that the system's weaknesses are not limited to administrative or infrastructure deficiencies, but also a lack of internal discipline. While it is essential for the executive to address the factors hindering the pace of judicial institutions by providing adequate resources and staff, it is also the responsibility of judges within the judiciary to make optimal use of available resources and deliver prompt judgments without unnecessary delays. Lack of infrastructure alone cannot be considered the sole cause of delays, as judges have the power to significantly improve the situation by improving their working styles and time management. They must utilize this.

To address the serious problem of delays in justice, it has become imperative to hold accountable not only the lower courts but the entire judicial system, including the Supreme Court, so that people receive timely and just justice. Eminent jurists and advocates of judicial reform have clearly stated that unless the judiciary adopts modern management and strict discipline in its internal functioning, simply enacting new laws will not improve the situation. In this direction, former Chief Justices of India and the Law Commissions have repeatedly emphasized that the culture of adjournments during trial should be strictly prohibited, and that lawyers or parties who unnecessarily delay cases should be heavily penalized. Furthermore, at every level, from the higher judiciary to the subordinate courts, it should be mandatory to deliver transparent judgments within a fixed timeframe after the completion of arguments. Failure to adhere to this set timeframe should lead to a rigorous annual review of the presiding officer concerned.The "Case Management Conference," advocated by former jurists for speedy disposal of cases, shouldbe effectively implemented on the ground. Under this system, judges meet with lawyers from both sides to determine the main points of dispute at the outset, avoiding unnecessary and lengthy arguments during the hearing. Furthermore, since the government itself is responsible for a significant portion of the country's total litigation, it should also be reined in. To this end, various legal committees have consistently recommended that government departments be prevented from blindly appealing every case after a disproportionate decision. This requires establishing internal investigation committees to hold inefficient officials personally accountable, preventing them from wasting the time of people, government resources, and courts.The transformation of the Indian judicial system is not merely an administrative necessity, but an essential prerequisite for the country's socio-economic development. Unless the courts function in a transparent manner and the judges are held accountable, the justice system, burdened with millions of pending cases, will not be accessible and reliable to the common man. The ongoing legal battle has become unbearable for the country's development. This cycle not only hinders the country's progress but also causes a waste of time and resources for millions of people entangled.

योगी सरकार के प्रोत्साहन से चमकी मुरादाबाद की पीतल नगरी: 150 से लेकर 900 के दीयों और कलाकृतियों से रोशन होगी दीवाली









लंबे संघर्ष के बाद ओडीओपी योजना बनी शिल्पियों के लिए टर्निंग पॉइंट, कारीगर अशरफ के पीतल कारोबार को मिली नई उड़ान -माटी कला मेले में 25 स्टॉलों के बीच मुरादाबाद के पीतल शिल्प को मिला विशेष मंच, 1 से 7 नवंबर तक सजी हस्तशिल्प की अनूठी प्रदर्शनी -कक्षा 8 पास शिल्पकार ने 220 घंटे के एमएसएमई प्रशिक्षण से निखारा हुनर, ?50 हजार के माल पर कमा रहे ?25 हजार तक शुद्ध मुनाफा मुरादाबाद, 5 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और %लोकल फॉर वोकल की नीति ने उत्तर प्रदेश के पारंपरिक शिल्पियों की जिंदगी बदल दी है। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एक जिला एक उत्पाद, माटी कला मेला% और रेलवे के सहयोग से संचालित एक स्टेशन एक उत्पाद योजनाओं के संयुक्त प्रभाव से मुरादाबाद का पीतल उद्योग नई ऊंचाइयों को छू रहा है। दीवाली के पावन पर्व पर मुरादाबाद के पीतल के पारंपरिक दीयों, पूजा थालियों और मीनाकारी से सजे सजावटी उत्पादों की मांग प्रदेश से लेकर गुजरात तक पहुंच चुकी है।

मुरादाबाद के दौलतबाग निवासी 45 वर्षीय शिल्पकार अशरफ इसका जीवंत उदाहरण हैं। अशरफ यूं तो पिछले 15 वर्षों से इस धातु शिल्प से जुड़े थे, लेकिन उनके हुनर को असली पहचान, सम्मान और व्यावसायिक रफ्तार तब मिली, जब योगी सरकार ने मुरादाबाद के पीतल शिल्प को ओडीओपी में शामिल कर कारीगरों के लिए सरकारी मंचों के द्वार खोल दिए। कक्षा 8 तक पढ़े अशरफ ने 220 घंटे के एमएसएमई प्रशिक्षण से अपने काम को आधुनिक बाजार के अनुरूप ढाला और आज वे न केवल सालाना 3 लाख तक की आमदनी अर्जित कर रहे हैं, बल्कि 10 से 15 अन्य स्थानीय कारीगरों को भी नियमित आजीविका प्रदान कर रहे हैं।

15 वर्षों के हुनर को ओडीओपी ने दी वैश्विक पहचान और रफ्तार मुरादाबाद के कारीगर अशरफ करीब डेढ़ दशक से पीतल की कारीगरी में लगे हुए थे, लेकिन पहले उनका दायरा बेहद सीमित था और बिचौलियों के अभाव में उचित बाजार नहीं मिल पाता था। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई %एक जिला एक उत्पाद% योजना उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आई। सरकार से सीधा जुड़ाव होते ही अशरफ को बड़े मेलों में नि:शुल्क स्टॉल, रहने-खाने की सुविधा और राज्य स्तर पर पहचान मिली। ओडीओपी के माध्यम से ही उन्हें लखनऊ से 100 विशेष पूजा घंटियों का थोक ऑर्डर मिला, जबकि उनकी तैयार मीनाकारी कलाकृतियों की खेप गुजरात स्थित ओडीओपी स्टोर तक भी पहुंची। आज उन्हें देश भर से 50, 100 और 150 पीस के नियमित ऑर्डर मिल रहे हैं, जिसने उनके छोटे से काम को एक सशक्त उद्यम का रूप दे दिया है।

दीवाली पर पीतल के दीयों और मीनाकारी उत्पादों की भारी मांग-प्रकाश पर्व दीवाली को लेकर इस बार पीतल के पूजा उत्पादों का बाजार पूरी तरह गुलजार है। मेरठ में आयोजित माटी कला मेले में ग्राहकों की भारी भीड़ मुरादाबाद के पीतल के दीयों और सजावटी सामानों की ओर आकर्षित हो रही है। मेले में आमजन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ३.३.३.50 और ?250 के छोटे दीयों से लेकर ?450 के मध्यम कलात्मक दीये, 200 की पूजा घंटियां और 900 की भव्य नक्काशीदार थालियां व कलाकृतियां उपलब्ध हैं। पीतल की ठोस धातु पर चटख रंगों और मीनाकारी का यह संगम घरों और मंदिरों में पूजन के लिए श्रद्धालुओं की पहली पसंद बना हुआ है, जिसकी सीधी बिक्री से कारीगरों के चेहरे खिले हुए हैं।

भट्टी की तपिश से लेकर मीना के रंगों तक-ऐसे संवरती है पीतल नगरी की कला-मुरादाबाद के इन आकर्षक उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया बेहद जटिल और शत-प्रतिशत हस्तशिल्प पर आधारित है। सर्वप्रथम उच्च तापमान वाली भट्टियों में पीतल को पिघलाकर दीयों, थालियों और कटोरों की ढलाई की जाती है। ढलाई के बाद धातु को विशेष तकनीक से तपाकर उस पर उभारदार (एम्बॉस) नक्काशी उकेरी जाती है। इसके पश्चात कुशल कारीगर अपने हाथों से इसमें पारंपरिक मीना के चटख रंग भरते हैं। रंग भरने के बाद धातु की कथाई और बारीक छिलाई की जाती है, ताकि नक्काशी की हर रेखा स्पष्ट दिखे। अंत में एमरी और आधुनिक पॉलिशिंग के जरिए इसमें शीशे जैसी चमक लाई जाती है, जो मुरादाबाद के पीतल उत्पादों को दुनिया भर में बेजोड़ बनाती है।माटी कला मले में धातु शिल्प को मिला विशेष मंच- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित सात दिवसीय माटी कला मेला (1 से 7 नवंबर) पारंपरिक कारीगरों के लिए सशक्त विपणन मंच साबित हो रहा है। मेले के 24 से 25 स्टॉलों के बीच मुरादाबाद के पीतल शिल्प को विशेष रूप से स्थान दिया गया है, ताकि मिट्टी के दीयों के साथ-साथ धातु शिल्प के उत्पादों को भी त्योहारों पर सीधा उपभोक्ता आधार मिल सके। योगी सरकार की ओर से कारीगरों को यह स्टॉल पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान किए गए हैं, जिससे शिल्पियों को बिना किसी वित्तीय बोझ के अपने उत्पादों का सर्वश्रेष्ठ मूल्य सीधे ग्राहकों से प्राप्त हो रहा है।

रेलवे स्टेशन के 5 लाख वाले आधुनिक कियोस्क पर 700 से अधिक आवेदनों की होड़ केंद्र और प्रदेश सरकार के समन्वय से शुरू हुई %एक स्टेशन एक उत्पाद% योजना ने मुरादाबाद में सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर स्थापित ?5 लाख की लागत वाले भव्य और आधुनिक कियोस्क पर पहला स्टॉल लगाने का अवसर अशरफ को ही मिला था। मात्र ?2,000 के मामूली शुल्क पर उपलब्ध इस प्लेटफॉर्म ने मुरादाबाद के शिल्प को सीधे रेल यात्रियों के बड़े बाजार से जोड़ दिया। इस योजना की अभूतपूर्व सफलता और लोकप्रियता का प्रमाण यह है कि शुरुआत में जहां मात्र 10 कारीगरों ने आवेदन किया था, वहीं आज इस आधुनिक कियोस्क पर स्टॉल पाने के लिए 700 से अधिक शिल्पियों की पर्चियां डाली जा रही हैं। यह भारी उत्साह दर्शाता है कि योगी सरकार के प्रयासों से कारीगरों के मन में अपने उत्पाद को बेचने का नया विश्वास जागा है। 15 कारीगरों की रोज़ी-रोटी और सालाना ?3 लाख तक की आमदनी- मुरादाबाद के दौलतबाग निवासी अशरफ के कारोबार की मजबूती का लाभ उनके साथ जुड़े दर्जनों परिवारों को मिल रहा है। किसी भी बड़े मेले या प्रदर्शनी में वे लगभग ?50,000 की लागत का उत्पाद लेकर जाते हैं, जिस पर उन्हें 25,000 और ?35,000 तक का सीधा शुद्ध मुनाफा होता है। उनकी सालाना आमदनी अब ?2.5 लाख से ?3 लाख तक पहुंच चुकी है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अशरफ के साथ ढलाई, छिलाई, एमरी, पॉलिश और मीनाकारी का काम करने वाले 10 से 15 अन्य स्थानीय कारीगरों को भी साल भर नियमित रोजगार और आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। 220 घंटे के प्रशिक्षण से मिली राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रेरणाकार अशरफ ने जिला उद्योग केंद्र के सहयोग से मुरादाबाद के पीतल नगरी केंद्र पर 220 घंटे (लगभग 102 दिन) का विधिवत एमएसएमई प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने, आधुनिक फिनिशिंग और राज्य व राष्ट्रीय पुरस्कारों के तकनीकी मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। मुरादाबाद के पद्मश्री विजेता शिल्पकारों-दिलशाद हुसैन, चिरंजीलाल की गौरवशाली परंपरा से प्रेरणा लेते हुए अशरफ अब अपने काम को राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सम्मान तक पहुंचाने तथा आगामी पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से इसे और बड़े पैमाने पर विस्तार देने के लिए पूरी तरह उत्साहित हैं। माटी कला मेले में इस बार ग्राहकों का जबर्दस्त फुटफॉल देखने को मिल रहा है। लोग पीतल से बने तरह-तरह के कलात्मक दीयों और मीनाकारी उत्पादों को खूब पसंद कर रहे हैं। दीवाली के लिए ग्राहक इन्हें खरीदने को लेकर बेहद उत्सुक हैं और हाथों-हाथ खरीदारी कर रहे हैं। बंपर बिक्री होने से हमारी कमाई भी काफी अच्छी हो रही है। योगी सरकार के इस मंच ने हम कारीगरों की दीवाली सचमुच रोशन कर दी है- अशरफ, पीतल हस्तशिल्पी, मुरादाबाद

मुख्य कोषाधिकारी श्रीमती रेनू बौद्ध ने कोषागार मुरादाबाद से पेंशन आहरित करने वाले समस्त पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को बताया है कि कोषागार मुरादाबाद द्वारा कैंप आयोजित कर राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान में प्रतिभाग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समस्त पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र के माध्यम से बिना कोषागार में उपस्थित हुए भी सुविधाजनक रूप से अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनर अपने अथवा अपने पारिवारिक सदस्य के स्मार्टफोन के प्ले स्टोर से सर्वप्रथम AadhaarFaceRD App तथा इसके बाद JeevanPramaan App इंस्टॉल करें। दोनों ऐप इंस्टॉल करने के पश्चात JeevanPramaan App खोलकर उसमें दिए गए निर्देशों के अनुसार आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए अपना डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र कोषागार में प्रेषित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पेंशनर भविष्य में भी इसी प्रक्रिया का पुन: उपयोग कर घर बैठे अपना जीवन प्रमाण-पत्र कोषागार में भेजने की सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पेंशनर्स आवेदन करते समय अपना बैंक खाता संख्या, आईएफएससी कोड एवं पीपीओ संख्या सावधानीपूर्वक एवं सही-सही भरें, जिससे जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत नवंबर माह का नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण 06 नवंबर से

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह नवंबर 2026 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण जनपद मुरादाबाद में 06 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 के मध्य कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी, मुरादाबाद ने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में प्रचलित 5,47,065 राशन कार्डों पर खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण किया जाना है। इस संबंध में जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे दीपावली पर्व से पूर्व अधिक से अधिक राशन कार्डधारकों को खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें तथा निर्धारित वितरण अवधि के अंत तक सभी पात्र राशन कार्डधारकों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण कराना सुनिश्चित करें। जिला पूर्ति अधिकारी ने समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।

लाल खून का काला कारोबार: मुरादाबाद से दूसरे शहरों तक फैला नेटवर्क, 100 यूनिट रक्त पकड़े जाने से खुलासा

मुरादाबाद में रक्त की खरीद-फरोख्त और कालाबाजारी का मामला फिर सामने आया है। गोरखपुर में 100 यूनिट रेड ब्लड सेल्स पकड़े जाने के बाद आरोपियों ने मुरादाबाद के एसएस चैरिटेबल ब्लड बैंक से सस्ते में खून खरीदकर महंगे दाम पर बेचने की बात बताई। इससे पहले भी जरूरतमंदों से एक यूनिट खून के 12 हजार और प्लेटलेट्स के जंबो पैक के 25 हजार रुपये मांगने के मामले सामने आ चुके हैं। इससे शहर में सक्रिय दलालों के नेटवर्क पर सवाल खड़े हो गए हैं।मरीज की सांसें बचाने के लिए जब परिजन खून की एक यूनिट के लिए दर-दर भटकते हैं, तब कुछ लोगों के लिए यही मजबूरी कमाई का जरिया बन जाती है। मुरादाबाद में लाल खून का काला कारोबार एक बार फिर चर्चा में है। कभी जरूरतमंदों से एक यूनिट रक्त के बदले 12 हजार रुपये मांगे जाते हैं तो कभी डेंगू के मरीजों के लिए प्लेटलेट्स का जंबो पैक 25 हजार रुपये में बेचने की पेशकश होती है। अब मुरादाबाद से दूसरे शहरों तक खून की खेप पहुंचाकर महंगे दाम पर बेचने का मामला सामने आया है। गोरखपुर में 100 यूनिट रेड ब्लड सेल्स पकड़े जाने के बाद आरोपियों ने मुरादाबाद के एसएस चैरिटेबल ब्लड बैंक से सस्ते में खून खरीदकर दूसरे ब्लड बैंकों में ऊंचे दाम पर बेचने की बात बताई है।इससे शहर में रक्त की खरीद-फरोख्त और दलालों के नेटवर्क पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों के परिजनों की मजबूरी का फायदा उठाने का यह पहला मामला नहीं है। अगस्त 2023 में अमर उजाला की पड़ताल में दो लोगों ने एक यूनिट रक्त उपलब्ध कराने के लिए 12 हजार रुपये तक मांगे थे।मामला सामने आने पर तत्कालीन सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने जांच बैठाई थी। निजी ब्लड बैंकों को निर्धारित शुल्क से अधिक रकम नहीं लेने और दलालों को परिसर में प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस से भी ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया था।सितंबर 2023 में डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच प्लेटलेट्स की कालाबाजारी का मामला सामने आया। डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल ने ग्राहक बनकर फोन पर संपर्क किया तो एक व्यक्ति ने 25 हजार रुपये में प्लेटलेट्स का जंबो पैक उपलब्ध कराने की बात कही। इस मामले में पुलिस को तहरीर दी गई और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया था।

दिवाली 2026: धनतेरस के दिन पीतल नगरी पर बरसेगा धन, 780 करोड़ के कारोबार की उम्मीद, बाजारों में भारी रौनक

धनतेरस पर मुरादाबाद के बाजारों में रौनक के साथ छह प्रमुख कारोबारों से 780 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है। ऑटोमोबाइल सेक्टर 250 करोड़ के साथ सबसे आगे रहेगा। इस बार चांदी के सिक्कों, हल्के आभूषणों, पीतल-स्टील के बर्तनों और पूजा सामग्री की मांग अधिक है।धनतेरस पर बर्तन बाजार, गंज बाजार, मंडी चौक, बुध बाजार समेत अन्य बाजारों में सिर्फ रौनक ही नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये का कारोबार भी होने की उम्मीद है। छह प्रमुख कारोबारों से करीब 780 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। धनतेरस पर कहीं नई कारों और बाइकों की चाबियां ग्राहकों को सौंपी जाएंगी तो कहीं चांदी के सिक्कों, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और पीतल के बर्तनों की खनक सुनाई देगी।कपड़ों से लेकर मिठाई और सूखे मेवों तक बाजार में खरीदारी का उत्साह है। कारोबार के लिहाज से ऑटोमोबाइल सेक्टर सबसे आगे रहने वाला है। यहां अकेले 250 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। वहीं, सराफा बाजार में 150 करोड़ और बर्तन बाजार में 110 करोड़ रुपये की बिक्री होने की उम्मीद है। इस बार धनतेरस की खरीदारी में ग्राहकों की पसंद भी बदली नजर आ रही हैसराफा बाजार में भारी आभूषणों के बजाय कम वजन वाले चांदी के सिक्कों और सजावटी सामान की मांग है। बर्तन बाजार में पीतल, स्टील और एल्युमीनियम के बर्तनों के साथ पूजा की थालियां, दीपक और मूर्तियां ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। वाहन एजेंसियों में पहले से बुकिंग हो रही है। कारोबारियों ने भी ग्राहकों की पसंद और बजट को देखते हुए दुकानों और शोरूम में पर्याप्त स्टॉक तैयार किया है।वाहन बाजार पर होगी सबसे बड़ी धनवर्षा, 250 करोड़ का कारोबार-धनतेरस पर वाहन खरीदने की परंपरा का असर



ऑटोमोबाइल बाजार में सबसे ज्यादा दिखाई देगा। मुरादाबाद में कार, बाइक और अन्य दोपहिया वाहनों की बिक्री से करीब 250 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। वाहन एजेंसियों पर ग्राहकों की बुकिंग जारी है। आरटीओ (प्रशासन) राजेश सिंह के अनुसार, धनतेरस पर एक हजार से अधिक कार और चार हजार से अधिक बाइक बिकने की उम्मीद है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की मांग भी बढ़ी है। खासकर महिलाएं ई-बाइक खरीदने में रुचि दिखा रही हैं। करीब 450 ई-बाइक की बुकिंग हो चुकी है।भारी गहनों से ज्यादा चांदी के सिक्कों और मूर्तियों की चमक-गंज बाजार, मंडी चौक समेत अन्य स्थानों पर स्थित सराफा बाजार में इस बार खरीदारी का ट्रेंड बदला हुआ है। महंगे और भारी आभूषणों के बजाय ग्राहक कम वजन वाले चांदी के सामान को प्राथमिकता दे रहे हैं। 25 ग्राम की लक्ष्मी-गणेश की चांदी की मूर्ति करीब पांच हजार रुपये में उपलब्ध हैं। इसके अलावा पांच और 10 ग्राम के चांदी के सिक्कों की मांग है। 10 ग्राम का सिक्का करीब 2100 रुपये में बिक रहा है।पांच ग्राम की मछली 1200 रुपये, 25 ग्राम का हाथी पांच हजार रुपये और 10 ग्राम का कछुआ करीब दो हजार रुपये में उपलब्ध है। मंडी चौक के सराफा कारोबारी प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि धनतेरस को लेकर ग्राहक अभी से बाजार पहुंच रहे हैं। जिस तरह शुरुआती खरीदारी हो रही है, उससे धनतेरस के दिन बिक्री पांच से 10 गुना तक बढ़ने की उम्मीद है। ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही तो सराफा बाजार में करीब 150 करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है।पीतल, स्टील और एल्युमीनियम के बर्तनों से 110 करोड़ का कारोबार- धनतेरस से पहले बर्तन कारोबारियों ने थोक में माल की बिक्री पूरी कर ली है। अब दुकानदारों की नजर खुदरा ग्राहकों पर है। पीतल, स्टील और एल्युमीनियम के बर्तनों के साथ पूजा में इस्तेमाल होने वाले सामान से दुकानें सजाई गई हैं। बर्तन कारोबारी मनोज अग्रवाल ने बताया कि धनतेरस के लिए थोक में बिक्री हो चुकी है। दूसरे शहरों के व्यापारियों को माल भेज दिया गया है।

अब स्थानीय बाजार में खुदरा बिक्री की तैयारी है। उन्होंने बताया कि धनतेरस पर बर्तन बाजार में इस बार करीब 110 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी आदित्य गोयल ने बताया कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए खरीदारी पर उपहार दिए जा रहे हैं। बाजार में बिक्री के रुझान को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में करीब 80 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है।नए कपड़ों के साथ मिठाई और मेवों पर भी खर्च होंगे 190 करोड़- धनतेरस पर खरीदारी के साथ नए कपड़े पहनने और घरों में मिठाइयां पहुंचाने की परंपरा भी बाजार को रफ्तार दे रही है। संयुक्त व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक कत्याल ने बताया कि धनतेरस की खरीदारी के लिए ग्राहक बाजारों में पहुंचने लगे हैं। कपड़ों की दुकानों पर भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि कपड़ा कारोबारियों को इस बार करीब 100 करोड़ रुपये की बिक्री की उम्मीद है। वहीं, मिठाई और सूखे मेवों के कारोबार में करीब 90 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है। कारोबारी सुप्रीत खन्ना ने बताया कि त्योहार पर घरों के लिए मिठाइयां खरीदने और रिश्तेदारों को उपहार देने के लिए सूखे मेवों की खरीदारी भी की जा रही है। ड्राई फ्रूट्स की बिक्री भी बढ़ी हुई है।धनतेरस पर अनुमानित कारोबार कारोबार- अनुमानित बिक्री ऑटोमोबाइल 250 करोड़ रुपये सराफा 150 करोड़ रुपये बर्तन- 110 करोड़ रुपयेकपड़ा 100 करोड़ रुपयेमिठाई और सूखे मेवे 90 करोड़ रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जनगणना में लापरवाही नहीं चलेगी, ड्यूटी कटवाने की कोशिश न करें - डीएम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने फ्यूचर यूनिवर्सिटी पहुंचकर जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के प्रगणकों और सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने साफ शब्दों में चेताया कि जनगणना राष्ट्रहित का सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्य है, इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी और कोई भी कार्मिक ड्यूटी कटवाने का प्रयास न करे। निरीक्षण की मुख्य बातें- दस्तावेज मांगने पर रोक- डीएम ने निर्देश दिए कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 40 सवाल ही पूछे जाएं; नागरिकों से किसी भी प्रकार के दस्तावेज या प्रमाण की मांग कतई न की जाए। फील्ड में जाने से पहले सभी कार्मिक अपनी हर शंका का समाधान यहीं प्रशिक्षण में पूरा कर लें ताकि डेटा की गुणवत्ता सटीक रहे। प्रचार वाहन रवाना- डीएम ने जनगणना जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाई । प्राथमिक विद्यालय पढेरा की शिक्षिकाओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक रंगोली सजाई। इस दौरान एडीएम (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, एसडीएम फरीदपुर विदुषी सिंह और फ्यूचर यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मुकेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धनतेरस-दिवाली पर ट्रैफिक पुलिस ने शहर में किया रूट प्लान लागू

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । धनतेरस और दीपावली के अवसर पर बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यातायातपुलिस अधीक्षक मोहम्मद अकमल खां ने डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 6 से 8 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर दो बजे से देर रात एक बजे तक लागू रहेगी। परसाखेड़ा रोड-1, विल्वा, विलयधाम, लालपुर कट, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्टनगर, सैटेलाइट, बुखारा मोड़ और रामगंगा तिराहा से शहर की ओर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। लखनऊ और बदायूं की तरफ जाने वाले भारी वाहन बाईपास और इन्वर्टिस तिराहा होकर निकलेंगे। श्यामतगंज, बरेली कॉलेज पश्चिमी गेट, सिकलापुर, खलील तिराहा, किला क्रासिंग, कुहाड़ापीर, पटेल चौक और चौपला चौराहा से बड़ा बाजार, कुतुबखाना, नावल्टी व साहूगोपीनाथ की ओर चार पहिया, ऑटो व ई-रिक्शा पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। खरीदारी के लिए आने वाले लोगों के वाहनों के लिए जीआईसी कॉलेज ग्राउंड और विशप इंटर कॉलेज ग्राउंड में पार्किंग तय की गई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

त्योहारों पर मिलावटखोरों पर DM का सख्त, 107 ठिकानों पर छापे, 2 लाइसेंस निरस्त

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (पं सत्यम शर्मा)दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज पर मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए बरेली प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर सीधी और कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। ?अब तक की बड़ी कार्रवाई- 107 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी- मिठाई की दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट्स और गोदामों का सघन निरीक्षण। 100 नमूने जांच के लिए भेजे- खोया, पनीर, देशी घी, बर्फी और घेवर के सैंपल लैब टेस्ट के लिए एकत्र। ?2 दुकानों के लाइसेंस रद्द- अनियमितता मिलने पर दो खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दुकानों और गोदामों में स्वच्छता व भंडारण के मानकों की कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का साफ संदेश है-त्योहारों पर जिलेवासियों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता है, मिलावट किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी।

कामधेनु गौशाला पर फिर गरजा बुलडोजर , बचा हुआ निर्माण भी ढाया

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । प्रेमनगर थाना क्षेत्र में महामंडलेश्वर संजीव गौड़ के संरक्षण में संचालित यह गौशाला पार्क के लिए



आरक्षित लगभग 500 वर्ग गज सरकारी जमीन पर बनाई गई थी। बचा हुआ निर्माण ढहाया- 28 जुलाई को हुए विरोध और हंगामे के चलते जो हिस्सा टूटने से रह गया था, उसे बीडीए की टीम ने गुरुवार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कॉलोनीवासियों का आरोप था कि पार्क की जमीन पर गौशाला बनने से बच्चों के खेलने और लोगों के टहलने की जगह छिन गई थी। बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार के मुताबिक, न्यायालय और प्राधिकरण के नियमों के तहत ही यह शेष ध्वस्तीकरण पूरा किया गया है।

आईवीआरआई पुल पर कार की टक्कर से दो भाई घायल, सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिस

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । आईवीआरआई पुल पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं, घायलों ने आरोप लगाया कि कार सवार ने पहले उन्हें कुचलने की कोशिश की और फिर बाइक में टक्कर मारी। इज्जतनगर के परतापुर चौधरी निवासी फहीम राजा बुधवार रात करीब एक बजे अपने बड़े भाई के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। दोनों आईवीआरआई पुल पर पहुंचे ही थे कि इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों भाई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घायलों का आरोप है कि कार उनके पास आकर रुकी थी और इसके बाद बाइक में टक्कर मारी गई। उन्होंने वाहन चालक पर कुचलने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है। हादसे के बाद चालक के फरार होने से उसकी पहचान नहीं हो सकी है। इंस्पेक्टर इज्जतनगर सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि कार और उसके चालक का पता लगाया जा सके।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में द्विवसीय प्रतियोगिता का शानदार समापन

एसएस कॉलेज शाहजहांपुर बना क्रिकेट चैंपियन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी द्विवसीय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी सिटी चिराग जैन, एमजेपीआरयू के सह क्रीड़ा सचिव डॉ. विजय सिन्हाल, प्रबंध समिति अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फनसिटी), महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल व अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। एस.एस. कॉलेज शाहजहांपुर ने जीता खिताब एस.एस. कॉलेज, शाहजहांपुर ने 4 विकेट पर 164 रन बनाए, जिसके जवाब में मेजबान महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की टीम 63 रनों पर सिमट गई। एस.एस. कॉलेज शाहजहांपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 124 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए एम.जे.पी.आर.यू. बरेली की टीम 97 रनों पर ढेर हो गई। शानदार प्रदर्शन के लिए सुबोध कुमार को %मैन ऑफ द मैच% चुना गया। मुख्य अतिथि एस पी सिटी चिराग जैन ने कहा कि खेल में हार-जीत से बढ़कर खेल भावना और निरंतर प्रयास महत्वपूर्ण हैं। वहीं महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल व क्रीड़ा संयोजक गिरीश चन्द्र अग्रवाल ने खिलाड़ियों के अनुशासन व प्रतिभा की सराहना की। अंत में प्रबंध समिति अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने सभी अंपायरों, अतिथियों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी ने किया।

जनरथ बस में आधी रात लगी आग, ड्राइवर की सूझबूझ से बची यात्रियों की जान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) । बरेली डिपो की बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार आधी रात के बाद बरेली-दिल्ली जनरथ बस में मुरादाबाद के मूडापांडे के पास हाईवे पर आग लग गई। उस वक्त बस में 32 यात्री सवार थे और ज्यादातर नींद में थे। गनीमत रही कि सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। प्रारंभिक तौर पर पिछले पहिए जाम होने को आग लगने की वजह बताया जा रहा है। इस घटना ने बरेली डिपो की वर्कशॉप में बसों के रखरखाव और मरम्मत व्यवस्था की पोल खोल दी है। इससे पहले वर्ष 2024 में बरेली-कानपुर रूट की एसी जनरथ बस में भी आग लग चुकी है। वहीं, बरेली परिक्षेत्र में बसों में तकनीकी खराबी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। रोजाना 10 से अधिक बसें मरम्मत संबंधी दिक्कतों के कारण रास्ते में खड़ी हो जाती हैं।मंगलवार को दो बसों का स्टेयरिंग फेल होने की घटनाएं हुईं, जबकि बुधवार को तीन बसों के टायर फट गए। इन घटनाओं में भी यात्रियों की जान जोखिम में पड़ गई थी। लगातार सामने आ रही तकनीकी खामियों से वर्कशॉप में मरम्मत के नाम पर बरती जा रही लापरवाही और संभावित अनियमितताओं पर सवाल उठ रहे हैं।

गोकुल डेयरी विवाद- राहुल गांधी ने सरकार पर लगाया जनादेश चोरी का आरोप

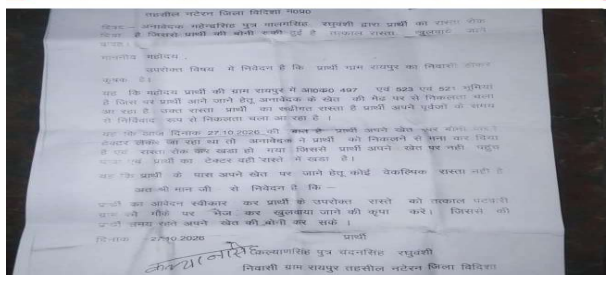
कोल्हापुर की गोकुल डेयरी के चुनावों में कांग्रेस समर्थित पैनल द्वारा बहुमत हासिल करने के बावजूद, महाराष्ट्र सरकार द्वारा सहकारिता नियमों में बदलाव कर चार अतिरिक्त सरकारी निदेशक नियुक्त करने के फैसले पर राज्य में भारी राजनीतिक बवाल मच गया है। राहुल गांधी और महाविकास आघाड़ी के अन्य नेताओं ने इसे जनता के जनादेश की चोरी बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला है, जबकि विपक्ष ने इसके खिलाफ 9 नवंबर को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और डेयरी घेराव का ऐलान किया है।महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त कोल्हापुर की मशहूर गोकुल डेयरी (कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ) को लेकर घमासान मचा हुआ है। राज्य की सत्ता पर काबिज महायुति सरकार और विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के बीच सहकारिता के इस अहम केंद्र पर कब्जा जमाने को लेकर सीधी जंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में हुए चुनावों में कांग्रेस समर्थित पैनल ने जीत दर्ज की थी, जिसके बाद से राजनीतिक बयानबाजी और विरोध प्रदर्शनों का दौर तेज हो गया है। विपक्षी दलों का साफ आरोप है कि सरकार चुनाव हारने के बाद अब पिछले दरवाजे से नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रही है। सहकारिता चुनाव में किसे मिली थी जीत? 19 अक्तूबर को हुए गोकुल डेयरी के चुनावों में कांग्रेस नेता सतेज पाटिल के नेतृत्व वाले पैनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 में से 13 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि सत्ताधारी गठबंधन समर्थित पैनल को 12 सीटें मिली थीं। चुनाव नतीजों के बाद चेयरमैन पद का चुनाव होना था, लेकिन सत्ताधारी खेमे के 12 निर्देशकों के गैर-हाजिर रहने के कारण चुनाव टल गया, जिसके बाद मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक पहुंच गया था। अदालत ने सभी 25 निर्देशकों को नोटिस जारी करते हुए 10 नवंबर को चेयरमैन का चुनाव कराने का निर्देश दिया, और सरकार ने भी अदालत के सामने स्पष्ट किया था कि चुनाव इन्हीं 25 लोगों के बीच कराया जाएगा।अदालत के निर्देश के बावजूद राज्य कैबिनेट ने बुधवार को एक नया अध्यादेश पास कर दिया, जिसके तहत 500 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर वाले सहकारी संस्थानों में चार अतिरिक्त सरकारी नामांकित निर्देशकों को वोटिंग अधिकार के साथ नियुक्त करने का रास्ता साफ हो गया। इस फैसले को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे जनादेश के साथ मिलावट% और दूध उत्पादकों के वोटों की खुली चोरी करार दिया। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव हारने के बाद अपनी संख्या बल को जबरन बढ़ाने के लिए ही यह अध्यादेश लाया गया है।कोल्हापुर के स्थानीय स्तर से लेकर मुंबई तक इस फैसले के खिलाफ भारी नाराजगी देखने को मिल रही है, जिसे लेकर विपक्ष अब सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस नेता सतेज पाटिल ने इस पूरे घटनाक्रम को कोल्हापुर की जनता के स्वाभिमान पर सीधा हमला बताया है और इसके विरोध में 9 नवंबर को दशहरा चौक से जिला कलेक्टर कार्यालय तक एक विशाल विरोध मार्च निकालने का एलान किया है। इसके साथ ही एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों से अपील की है कि वे चेयरमैन पद के चुनाव के दौरान गोकुल डेयरी का घेराव करें, जिससे इस फैसले का पुरजोर विरोध किया जा सके। गोकुल डेयरी का अर्थव्यवस्था में कितना कोल्हापुर स्थित यह सहकारी डेयरी केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि पश्चिमी महाराष्ट्र के लाखों किसानों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो सीधे तौर पर उनकी आजीविका से जुड़ा हुआ है। यह डेयरी लगभग 5.5 लाख किसानों से रोज करीब 20 लाख लीटर दूध का संग्रहण करती है और बदले में उन्हें हर 10 दिन के अंतराल पर लगभग 100 करोड़ रुपये का भुगतान करती है। यही वजह है कि इस संस्था के प्रबंधन और चुनाव परिणामों में फेरबदल की कोशिशों को लेकर स्थानीय दूध उत्पादकों और राजनीतिक दलों के बीच तीखा आक्रोश बना हुआ है।



नटेरन तहसीलदार पीयूष जैन के द्वारा ग्राम रायपुर मौके का निरीक्षण

@ क्यूँ न लिखूँ सच





कोलकत्ता (हाकम सिंह रघुवंशी) कृषक ने खेत में जाने के लिए रास्ता रुका है। नटेरन तहसीलदार के लिए आवेदन दिया था इसके संबंध में ग्राम रायपुर पहुंचकर खेतों का रास्ता देखा गया।उपस्थित कृषि कल्याण सिंह पुत्र चंदन सिंह के द्वारा रास्ता रोका जाने के संबंध में आवेदन दिया था जिसमें महेंद्र सिंह कृषक के द्वारा रास्ता रोका गया है महेंद्र सिंह कृषक का कहना मेरा खेत में से रास्ता नहीं निकला शासकीय रास्ता हो वहां से रास्ता दिया जाए एवं उपस्थित ग्रामवासी प्राण सिंह रघुवंशी ग्राम रायपुर पटवारी चौकीदार बेलानारा पूरन सिंह रघुवंशी कृषक कल्याण सिंह रघुवंशी, आदि उपस्थित रहे एवं दोनों को समझाएं दी गई कृषक कल्याण सिंह रघुवंशी का अपने खेत में जाने के लिए रास्ता रोका जिससे वह अपने खेत की बोनी करने में असमर्थ है कल्याण सिंह का कहना है समय रहते रास्ता नहीं खुला तो मेरा खेत खराब हो जाएगा जिसमें मैं फसल नहीं पैदा कर सकूंगा समय रहते मेरा खेत का रास्ता खुलवाया जाए।

दीपावली पर आरएसएस ने किया सामूहिक दीप प्रज्वलन, 'एक दीपक राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम में दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । दीपावली के पावन पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बिलारी नगर की ओर से गुरुवार को शाहबाद रोड स्थित मंदिर पौंडा खेड़ा में 'एक दीपक राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान स्वयंसेवकों एवं गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हुए दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की जगमगाहट से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और अधर्म से धर्म की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाकर राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

कार्यक्रम में जिला कार्यवाह सुभाष, जिला शारीरिक प्रमुख रोहित एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रांजल की उपस्थिति रही।

इसके अलावा नगर संघचालक विशाल, नगर कार्यवाह जगपाल, नगर प्रचार प्रमुख विवेक, नगर बौद्धिक प्रमुख विवेक मास्टर, नगर शारीरिक प्रमुख मोहर सिंह, नगर सह शारीरिक प्रमुख जितिन, नगर सेवा प्रमुख विभोर तथा नगर व्यवस्था प्रमुख पुष्पेंद्र मौजूद रहे। सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज सहित नगर एवं जिले के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर सभी से अपने हृदय में राष्ट्रप्रेम, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता की भावना बनाए

रखने तथा भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में योगदान देने का आह्वान किया गया। अंत में प्रभु श्रीराम के जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इंटर हाउस ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । एस.बी.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, में कक्षा 8 एवं 9 के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था – क्या अंक ही किसी विद्यार्थी की सफलता का एकमात्र मापदंड होने चाहिए।

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी प्रतिभागियों ने तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल एवं विषय की गहरी समझ का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर डायमंड हाउस ने प्रथम स्थान,



एमराल्ड हाउस ने द्वितीय स्थान तथा रूबी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधक राजीव सहाय एवं प्रधानाचार्य संयोग वशिष्ट ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक चिंतन, संवाद कौशल एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है, क्योंकि वास्तविक सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के समग्र विकास में निहित है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस को लेकर जागरूकता शिविर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । जनपद न्यायधीश अमित पाल सिंह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन एवं तपस्या त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद के तत्वावधान में तहसील परिसर बिलारी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया





जिसमें नौ नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के संबंध में एवं समाज में कमजोर और वंचित वर्गों को मुफ्त, निष्पक्ष और सुलभ विधिक जानकारी के विषय में जागरूक किया। शिविर में तहसीलदार राजकुमार सिंह, रजिस्ट्रार कानूनगो यशपाल गिरी, पराविधिक स्वयं सेवक रिंकी , अदनान हुसैन कानूनी सहायता समिति सदस्य अफ़ाक़ हुसैन एडवोकेट, लेखपाल मनीष कुमार एवम क्षेत्रवासी रहे।

ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र पर आध्यात्मिक संदेशों के साथ मनाई गई दीपावली



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र पर दीपावली पर्व हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। सेवा केंद्र प्रभारी बीके अलका दीदी ने कहा कि जिस प्रकार हम दीपावली पर अपने घरों की सफाई करते हैं, उसी प्रकार मन की सफाई कर बुराइयों एवं विकारों को दूर करना चाहिए।

परमात्मा की स्मृति से ही जीवन में सच्चा प्रकाश आता है। मीरापुर से पधारीं बीके अनमोल दीदी ने रामायण का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए सभी को सीता की तरह पवित्र बनने, श्रीराम की तरह परमात्मा के प्रति लगन रखने तथा सभी का सहयोगी बनने की प्रेरणा दी।

बीके अनीता दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराकर शांति की अनुभूति करवाई। वहीं मथुरा से आये बीके राजू भाई ने हास्यवर्धक गतिविधियों के माध्यम से सभी को शुभभावनाएं देने का संदेश दिया तथा प्रदूषण रहित दीपावली मनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सभी ने सकारात्मक विचारों को अपनाने और अपने जीवन को ज्ञान एवं योग के प्रकाश से प्रकाशित करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 भाई बहनों से भाग लिया।

सातवें दिन किया सुदामा चरित्र का वर्णन



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । क्षेत्र के ग्राम आरीखेड़ा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के साथ में दिवस कथा व्यास आचार्य शिव शंकर भारद्वाज ने कहा कि भागवत कथा हम सब प्राणियों के लिए दुर्लभ है क्योंकि यह विशेष कथा शुकदेव जी ने राजा परीक्षित के मोक्ष के लिए सुनाई थी। कथा प्रसंग के माध्यम से सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि उनकी मित्रता अमर है क्योंकि वह निस्वार्थ थी, वह भक्त और भगवान की मित्रता थी,

दो सहपाठियों की मित्रता थी लेकिन अपनी ईमानदारी और समर्पण से सुदामा जी ने प्रभु का दिल जीत लिया इसलिए उन्हें उन्होंने भूमंडल का सारा सुख और स्वर्गलोक दे दिया अर्थात जो सच्चे मन से प्रभु की शरण में रहता है उसे कोई परेशानी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि हमें इससे यही प्रेरणा लेनी चाहिए कि मित्रता पवित्र भाव की हो मित्रता सबसे बड़ा धन है मित्रता के नाम पर कोई छल प्रपंच नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह महापाप की श्रेणी में आता है। कथा के दौरान शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को उनके जीवन से मोक्ष तक की घटनाओं सहित पूरा वृतांत सुनाया। अध्यक्षता बाबा हरिदास जी और संचालन पूर्व प्रधानाचार्य अखिलेश श्रीवास्तव ने किया।

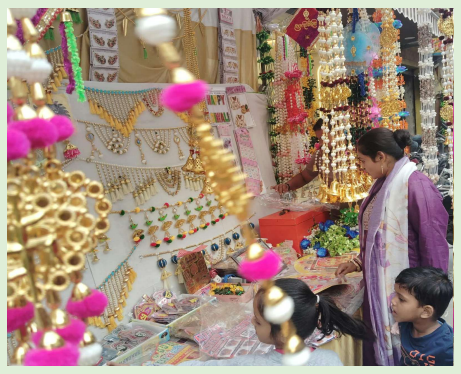
संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत नवंबर माह का नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण 06 नवंबर से

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह नवंबर 2026 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण जनपद मुरादाबाद में 06 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 के मध्य कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी, मुरादाबाद ने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में प्रचलित 5,47,065 राशन कार्डों पर खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण किया जाना है। इस संबंध में जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे दीपावली पर्व से पूर्व अधिक से अधिक राशन कार्डधारकों को खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें तथा निर्धारित वितरण अवधि के अंत तक सभी पात्र राशन कार्डधारकों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण कराना सुनिश्चित करें। जिला पूर्ति अधिकारी ने समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।

दीपावली को लेकर चहुँ ओर छाया हर्षोल्लास

बिलारी । दीपावली को लेकर बाजार और घरों में हर्षोल्लास छाया है जहां घरों में सफाई रंगाई पुताई सजावट का अभियान चल रहा है वहीं बाजारों में भी रंग बिरंगी झालरों से प्रतिष्ठानों को सजाया गया है। बाजार ग्राहकों को लुभा रहा है सर्राफा और बर्तनों की दुकानों को विशेष रूप से सजाया गया है इधर सुरक्षा के लिए पुलिस भी लगातार गश्त कर रही है भारी वाहनों पर बाजार में दिन के दौरान प्रतिबंध लगाया गया है। दीपावली को लेकर खरीदारी का सिलसिला चल रहा है पैंठ बाजार में भी खील बताशे मीठे खिलौने के ढेर लगे हैं।



महुआ मोइत्रा का पलटवार: बोलीं- सीजेपी को विदेश से नहीं, भाजपा से मिला पैसा; जितेंद्र सिंह ने लगाए थे ये आरोप

महुआ मोइत्रा ने सीजेपी को विदेशी फंडिंग मिलने के आरोपों पर भाजपा को घेरा। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चुनावी जरिये पैसा मिलने है।तृणमूल सांसद ने कॉकरोच को विदेशी फंडिंग आरोपों पर



बॉन्ड के भाजपा से की बात कही कांग्रेस की महुआ मोइत्रा जनता पार्टी संगठनों से मिलने के भाजपा को घेरा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने दावा किया कि सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने खुद कहा है कि उन्हें विदेशी स्रोतों से नहीं, बल्कि भाजपा से चुनावी बॉन्ड के जरिये पैसा मिला है। मोइत्रा ने कहा कि सीजेपी के अशुतोष रांका और सौरव समेत अन्य सदस्यों ने भाजपा से फंड मिलने की बात कही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, %भाजपा ही उन्हें फंड दे रही है।%जितेंद्र सिंह ने लगाए थे विदेशी फंडिंग के आरोप-दरअसल, बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि उसके कार्यकर्ताओं को देश और विदेश में मौजूद भारत विरोधी संगठनों से पैसा मिल रहा है। बंगलूरू में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि अभिजीत दिपके को अनधिकृत स्रोतों से फंडिंग मिलने के पर्याप्त सबूत हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दानदाताओं से अभिजीत दिपके को पैसा मिल रहा है, जबकि अशुतोष रांका को पाकिस्तानी नेताओं से फंडिंग मिली है। उन्होंने विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, डीप स्टेट के लोगों और भारत विरोधी ताकतों पर इस पूरे मामले में नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया। कर्नाटक के मंत्री ने भी भाजपा से मांगे सबूत- इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने कांग्रेस को विदेशी फंडिंग मिलने के भाजपा के आरोपों पर सवाल उठाए। उन्होंने इन दावों के सबूत पेश करने की चुनौती दी। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर खुली बहस करने की चुनौती देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत इस बहस के मॉडरेटर बनें। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और खुफिया एजेंसियों आईबी तथा रॉ की भूमिका पर भी सवाल उठाए। खरगे ने पूछा कि बिना सबूत पेश किए इस तरह के आरोप कैसे लगाए जा सकते हैं।

फतेहगंज पश्चिमी में धूमधाम से निकली भगवान वाल्मीकि की शोभायात्रा, भक्ति में डूबा कस्बा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी।कस्बे में बुधवार रात करीब आठ बजे भगवान महर्षि वाल्मीकि की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। शुभारंभ होते ही जयकारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।

शोभायात्रा का आयोजन अध्यक्ष संजू वाल्मीकि और कोषाध्यक्ष राजेश कुमार वाल्मीकि के नेतृत्व में किया गया। शोभायात्रा जानकी देवी इंटर कॉलेज से प्रारंभ हुई, जिसमें भगवान वाल्मीकि की आकर्षक झांकी के साथ ही विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। डीजे की धुन, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते चल रहे थे।शोभायात्रा मुख्य बाजार से होते हुए लोधी नगर चौराहे, शाही रोड, भिटौरा रेलवे स्टेशन से गुजरते हुए उनासी रोड होते हुए नौगमा स्थित वाल्मीकि मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।इस अवसर पर कामिनी, अनीता देवी, सुमन देवी, रितू, राजकुमारी, प्रदीप गर्ग, मनोज दिवाकर, नंदराम दिवाकर, रामपाल वाल्मीकि, राजकुमार वाल्मीकि, संजीव वाल्मीकि, गुलशन वाल्मीकि, सुदेश वाल्मीकि, सतीश वाल्मीकि, नरेश वाल्मीकि, मनोज कुमार वाल्मीकि समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

खाद-बीज प्रतिष्ठानों पर कृषि विभाग की छापेमार जांच, अनियमितताओं पर पांच विक्रेताओं को नोटिस

@ क्यूँ न लिखूँ सच

लाइसेंस निलंबन की चेतावनी, स्टॉक और ई-विकास पोर्टल का किया भौतिक सत्यापन





शिवपुरी । जिले में किसानों को खाद की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने और उर्वरकों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग ने खाद-बीज प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों एवं खाद गोदामों का औचक निरीक्षण कर स्टॉक और ई-विकास पोर्टल पर दर्ज जानकारी का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर पांच उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध खाद के स्टॉक और पोर्टल पर प्रदर्शित मात्रा का मिलान किया। साथ ही इन-ट्रांजिट उर्वरक की मात्रा को तत्काल पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उर्वरक के लिए टोकन प्राप्त करने में परेशानी न हो और वितरण व्यवस्था पारदर्शी बनी रहे।कृषि विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, कार्तिक बीज भण्डार (प्रो. मुन्ना धाकड़), धाकड़ खाद बीज भण्डार (प्रो. नरेंद्र धाकड़) तथा धाकड़ खाद बीज भण्डार (प्रो. रवि वर्मा) सहित कुल पांच विक्रेताओं को अनियमितताओं के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं।

विभाग ने संबंधित विक्रेताओं को निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उर्वरक विक्रय लाइसेंस निलंबित करने सहित नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

कृषि विभाग की इस कार्रवाई को खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जमीन विवाद में पिता की मौत के मामले में पिता-पुत्री गिरफ्तार, 24 घंटे में पुलिस ने सुलझाया मामला

@ क्यूँ न लिखूँ सच

खनियाधाना पुलिस की कार्रवाई, हत्या में प्रयुक्त लोहे का सरिया जब्त; दोनों आरोपियों को जेल भेजा



शिवपुरी,। खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम गोरवर में जमीन विवाद के चलते हुई मारपीट के बाद एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर 2026 को ग्राम गोरवर निवासी आशीष कुमार परिहार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव के ही प्रीतम परिहार और भावना परिहार के साथ जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद की शिकायत करने के लिए आशीष अपने पिता शिवचरन परिहार के साथ थाने जा रहे थे। इसी दौरान थाने पहुंचने से पहले शिवचरन जमीन पर गिर पड़े। परिजन उन्हें तत्काल शासकीय अस्पताल खनियाधाना लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले में मर्ग जांच के दौरान परिजनों के बयान और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने प्रीतम परिहार, भावना परिहार एवं अन्य के विरुद्ध अपराध क्रमांक 412/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 296 एवं 3(5) में हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।पुलिस टीम ने 24 घंटे में की गिरफ्तारी- पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी पिछोर प्रमोद शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह किरार ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रीतम परिहार (54) पुत्र भगुंत परिहार और भावना परिहार (25) पुत्री प्रीतम परिहार, निवासी ग्राम गोरवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। वहीं, आरोपी भावना परिहार की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का सरिया भी जब्त किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। भावना को सर्किल जेल शिवपुरी और प्रीतम को उप जेल पिछोर में दाखिल कराया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय सिंह किरार सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत विकास परिषद शिवाजी शाखा ने धूमधाम से मनाया दीपावली मिलन समारोह

@ क्यूँ न लिखूँ सच





मुरादाबाद । भारत विकास परिषद शिवाजी शाखा नें दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास व उत्साह के साथ आयोजित किया। शाखा के सदस्यों और अतिथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए खुशियाँ साझा कीं।

मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कलाकार व हास्य अभिनेता किशोर भानुशाली ने अपनी मधुर आवाज में एक से बढ़कर एक सुरीले गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही अपने शानदार चुटकुलों, कॉमेडी और बेहतरीन अभिनय से उपस्थित लोगों को खूब हंसाया।

उनकी प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह को यादगार बना दिया। दीपावली के उत्सव को और भी खास बनाने के लिए समारोह में शानदार आतिशबाज़ी की गई।

शाखा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. राकेश कुमार व शाखा अध्यक्ष अनुष कुमार बंसल ने मुख्य अतिथि किशोर भानुशाली को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाखा अध्यक्ष अनुष कुमार बंसल ने उपस्थित सभी सदस्यों व अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करके की। समारोह के दौरान शाखा की सदस्य प्राची अग्रवाल का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के अंत में शाखा सचिव डॉ. रोमिल सिंघल ने कार्यक्रम की सफलता के लिए मुख्य अतिथि किशोर भानुशाली उपस्थित सभी अतिथियों, शाखा सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन दिव्या बंसल व डॉ. स्वाति सिंघल ने किया।

इस अवसर पर नितिन अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, हेमंत शर्मा, चंद्र प्रकाश आर्या, विवेक अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, अनुराग सिंघल, ज्योति सिंघल, गौरव गुप्ता, प्रभात शर्मा, सोनल, रूपल, शलभ, दीपांश, पी. के. अग्रवाल, श्रीमती सुनीता अग्रवाल, एस. के. दीक्षित, अंशुमन, पल्लवी, निखिल बंसल, अरविंद चौधरी एवं निशू राज सहित शाखा के अनेक सदस्य एवं गणमान्य अतिथि रहे।

रोटरी क्लब मुरादाबाद ब्रास सिटी स्टार्स नें जश्न ए दीवाली हर्षोल्लास से मनाया।

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद हि दै आचार्य वाणी। रोटरी क्लब मुरादाबाद ब्रास सिटी स्टार्स की दीपावली मीटिंग रामगंगा विहार स्थित एक रेस्टोरेंट में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ हुई।कार्यक्रम का प्रारंभ इंट्रैक्ट क्लब शिशु वाटिका स्टार्स के बच्चों के सुंदर नृत्य के द्वारा किया गया । रंगारंग कार्यक्रम की श्रृंखला में रोटेरियन अनुभव व रोटेरियन रुही रस्तोगी के सुपुत्र आरव रस्तोगी ने डांस की प्रस्तुति दी।

ऐनी वर्णिका त्यागी नें भी राम धुन पर नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उसके बाद स्पेशल दीपावली हाउजी खेली गई। अन्य कई रंगारंग मनोरंजन कार्यक्रम हुए। मीटिंग में क्लब के सभी रोटेरियन्स, एन्स व उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मीटिंग की अध्यक्षता रोटेरियन भरत अग्रवाल ने की। सचिव रोटेरियन क्षितिज रस्तोगी ने क्लब की मासिक रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। इसके बाद मीटिंग का चार्ज फर्स्ट लेडी ऑफ द क्लब एनी आयुषी अग्रवाल को दिया गया। कार्यक्रम में म्यूजिकल मस्ती, रोमांचक गेम्स, लकी ड्रॉ और विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। रोटेरियन्स, एन्स व बच्चों ने अपनी शानदार परफॉर्मेंसेज से सभी का मनमोह लिया। रोटेरियन दीपाली रस्तोगी व अन्य सदस्यों के जन्मदिन पर केक काटकर बधाई दी गई।

इस अवसर पर क्लब परिवार में तीन नए रोटेरियन्स का स्वागत भी किया गया। नयें सदस्यों रोटेरियन आशीष अग्रवाल, गीतांजलि अग्रवाल, नितिन राज, वर्षा राज, सचिन अग्रवाल, शिल्पी,हिमांशु वार्ष्णेय, डा तान्या वार्ष्णेय का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके क्लब से जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम उपरान्त क्लब के सभी सदस्यों ने मिलकर आतिशबाजी व फायरक्रैकर्स के साथ दीपावली का उत्सव मनाया। मीटिंग का समापन वंदे मातरम से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्लब अध्यक्ष रोटेरियन भरत अग्रवाल, संरक्षक रोटेरियन अनुज अग्रवाल, रोटेरियन भारती अग्रवाल, सचिव रोटेरियन क्षितिज रस्तोगी, ट्रेजरार रोटेरियन मानिक रस्तोगी, रोटेरियन विदुर गर्ग , रोटेरियन अनुभव रस्तोगी, रोटेरियन निशांत सिंघल, रोटेरियन अर्चित गर्ग, रोटेरियन अमन त्यागी सहित क्लब के अनेक सदस्य रहे।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर करें आतिशबाजी की बिक्री

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बृहस्पतिवार को सहसवान स्थित प्रमोद संस्कृत महाविद्यालय के मैदान में आतिशबाजी की अस्थाई दुकानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अस्थाई लाइसेंस धारक आतिशबाजी की बिक्री के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखें। जिलाधिकारी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि तहसीलवार चिन्हित आतिशबाजी बिक्री स्थलों पर एक-एक फायर टेण्डर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी अस्थाई आतिशबाजी लाइसेंस धारकों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों एवं सावधानियों से भलीभांति अवगत कराया जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक तहसील में चिन्हित कलस्टर स्थल पर प्राथमिक उपचार की सुविधा के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंताओं, प्रांतीय खंड एवं निर्माण खंड को निर्देश दिए हैं कि तहसीलवार चयनित कलस्टर स्थलों का निर्धारित मानकों के अनुरूप लेआउट तैयार कराया जाए। लेआउट में दुकानों की स्थिति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हुए उसी के अनुसार दुकानों का व्यवस्थित आवंटन एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आतिशबाजी की बिक्री के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था अथवा दुर्घटना की आशंका न रहे। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक अमले के साथ सहसवान स्थित नगर पालिका परिषद रोड पर पैदल मार्च कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सहसवान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग से फतेहगंज पश्चिमी जाने वाली सड़क निर्माण को लेकर राज्यसभा सांसद को मांग पत्र सौंपा।

नगर के प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार को दिए मांग पत्र के माध्यम अवगत कराया कि नेशनल हाईवे बरेली मुरादाबाद से नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी को जाने वाले मोड़ को अत्यधिक एक्सीडेंट होने के कारण बंद कर दिया गया है। एवं नगर को जाने के लिए नेशनल हाईवे से राधा कृष्ण मंदिर(रबड़ फैक्ट्री) के बराबर से जा रही सर्विस रोड की तरफ सभी ट्रैफिक डायवर्जन कर दिया गया है इस सर्विस रोड पर रहपुरा अंडरपास से फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड कार्यालय जाने वाली सड़क सावन माह से ही पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके कारण नगर को जोड़ने वाले वैकल्पिक मुख्य मार्ग पर क्षतिग्रस्त सड़क में गाड़ियों के पलटने व आए दिन फंसने का भय बना रहता है उपरोक्त सड़क मार्ग की लगभग दूरी मात्र 500 मीटर ही है लोक निर्माण विभाग अथवा नेशनल हाईवे के अधिकारियों को दिवाली एवं संभावित त्योहारों से पूर्व क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराना आवश्यक है जिससे नगर के आने जाने वाले मुख्य मार्ग पर आम जनता को आवागमन में हो रही परेशानी से निजात मिल सके। सांसद श्री मती गंगवार ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों वार्ता कर जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान व्यापार मंडल के मयंक अग्रवाल,राजेश गुप्ता,अनुज भारद्वाज, सुबोध पोरवाल, सनी सिंह,गौतम गोयल, राहुल सिंह, शीलू सिंह,रोहित सिंह, हिमांशु मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

सरकारी जमीन पर फर्जी एनओसी, फिर करा लिया नक्शा पास, बिल्डर समेत चार पर प्राथमिकी

आगरा के धाकरान में सरकारी जमीन को निजी दर्शाकर फर्जी एनओसी के सहारे नक्शा पास कराने के मामले में बिल्डर समेत चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एडीए के सहायक अभियंता की तहरीर पर लोहामंडी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के सहारे धाकरान स्थित सरकारी जमीन को निजी दर्शाकर आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) से नक्शा मंजूर कराने के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने शिकंजा कसा है। प्राधिकरण के सहायक अभियंता रमन कुमार की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। फर्जीवाड़े में एक बिल्डर समेत चार लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में तत्कालीन एडीएम प्रोटोकॉल के जाली हस्ताक्षर और फर्जी एनओसी तैयार कर उसका इस्तेमाल किया गया था। अमर उजाला में इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद जिला प्रशासन और एडीए ने अपने स्तर पर जांच की। सभी दस्तावेज फर्जी पाए गए। इस प्रकरण में कई तत्कालीन पीसीएस अधिकारियों, प्राधिकरण के कर्मचारियों और नजूल विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। इससे अधिकारी पहले प्राथमिकी दर्ज करने में हिचकिचा रहे थे।हालांकि, जिलाधिकारी मनीष बंसल के कड़े निर्देशों के बाद मंगलवार शाम को प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुलिस को औपचारिक तहरीर सौंपी। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि एडीए के सहायक अभियंता रमन कुमार की शिकायत पर जयपुर हाउस निवासी अजय महाजन, केशव कुंज निवासी प्रमोद कुमार गुप्ता, संजीव कुमार गुप्ता और इंजीनियर बनवारी सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

Amidst rising AQI, are you making these 5 mistakes? They could be unknowingly harming your health.

To avoid health risks during the rising air pollution and high AQI in Delhi-NCR, it's important to avoid certain mistakes. The increasing air pollution in Delhi-NCR is a matter of serious concern. It can and PM10 in the air can our breath and cause crucial to avoid certain harm to our health mistakes. Considering surgical masks are in the air. These pass through the mask. properly fitted N95 properly. Exercising When pollution levels in any other form of health. Physical causing us to inhale exercising indoors Opening windows pollution levels are your home brings toxic pollution levels are closed. Open windows flow into your home, Ignoring persistent cough, wheezing, chest



be very dangerous for our health. PM2.5 enter our lungs and bloodstream through numerous health problems. Therefore, it's mistakes during high AQI to minimize the caused by pollution. Let's explore these cloth masks safe: Ordinary cloth or ineffective in blocking PM2.5 and PM10 contaminants are so small that they easily If you must go out, always wear a mask and cover your nose and mouth outside during high pollution levels - are high, running, cycling, or engaging exercise outdoors can be detrimental to exercise increases our breathing rate, more pollutants than usual. Therefore, during high pollution is beneficial. during pollution periods - When highest, opening windows directly into air from outside into your home. When high outside, keep windows and doors during the afternoon to allow fresh air to when pollution levels are relatively low. cough or shortness of breath - Persistent tightness, and even mild difficulty breathing can be serious warning signs. Do not ignore these symptoms. If these symptoms occur, consult a doctor immediately. An air purifier eliminates outdoor exposure. An air purifier with a good HEPA filter is very helpful in reducing indoor pollution. However, this doesn't mean that having an indoor purifier protects you from the outdoors as well. You may be exposed to pollution on your balcony or when you're outside, which can be detrimental to your health.

From beauty to kitchen use, sweet lime peels are incredibly useful; knowing these 8 things will prevent you from throwing them in the trash.

Sweet lime peels, often considered useless, are rich in vitamin C and antioxidants. Helps improve skin tone and remove blemishes; Strengthens hair; Relieves dandruff; Improves digestion; and is also useful for eating sweet lime juice, we discard same, stop now. Next time, think lime peels, which we consider contain abundant amounts of elements can be very beneficial for household chores. Let's explore the stunning glow to your skin - If you and grind them into a fine powder. to create a wonderful face pack. in reducing blemishes. A great from the market, mix a little sugar it gently on your skin. This leave your face soft and glowing. peels are also a boon for your hair. thoroughly cleanses the scalp and hair. Strengthens the digestive sweet lime peels can help. Dry drink them. This strengthens your



household cleaning. Often, after drinking or the peels, thinking they're useless. If you do the twice before throwing them away. In fact, sweet waste, are a treasure trove of nutrients. They vitamin C, antioxidants, and natural oils. These your skin, health, and even for everyday wonderful ways you can use these peels. Bring a want flawless and radiant skin, dry these peels Mix this powder with a little yogurt or rose water This refreshes your skin and is also very effective natural scrub - Instead of using expensive scrubs or honey with dried sweet lime peel powder. Rub excellent natural scrub will remove dead skin and Strengthen hair and get rid of dandruff - These Applying sweet lime peel powder to your hair eliminates dandruff. Regular use also strengthens system - If you suffer from gas or indigestion, these peels and add them to your daily tea and digestive system and provides significant relief from stomach problems. Easy kitchen cleaning tip - These peels are also very useful for cleaning the house and kitchen. Boil the peels thoroughly in water and then cool the water. Now use it as a cleaner. It removes stubborn grease and bad odors in the kitchen in minutes. Natural room freshener - There's no need for chemical fresheners to make your home smell good. You can dry these peels and keep them in the house, or boil them in water and spread the fragrance throughout the house. This works as an excellent natural air freshener. Keeps insects away - The natural scent of these peels is disliked by many insects. If you place these peels in various corners of your home, you'll significantly reduce the number of insects that come in from outside. Also effective in boosting immunity: The nutrients in these peels also increase the body's ability to fight illness. When you add them to your tea or decoction, they work wonders in boosting your immunity.

Troubled by dry, dull skin in winter? Skip expensive creams and get crystal-clear skin with these face oils.

To care for dry, dull skin in winter, use face oils instead of expensive creams. Winter is slowly approaching. Skin requires special care during this season. Cold air, low humidity, and the habit of bathing in hot water strip and stretched. Sometimes, even face oils help restore its lost radiance moisturizes the skin but also protects it you too want soft, healthy, and glowing Apply these oils to your skin in winter: nourishment to the skin. It helps remove Coconut oil has antibacterial properties for those with extremely dry skin. Jojoba quickly and doesn't block pores. It is known as liquid gold, it gives the skin in vitamins A and C, this oil reduces provides deep hydration and makes the very beneficial in Ayurveda. It maintains



the skin of its natural moisture, leaving it feeling dry, dull, expensive creams and lotions fail to fully work. In such cases, by nourishing the skin from within. The right face oil not only from the effects of cold by strengthening the skin barrier. If skin in winter, let's learn about these beneficial oils for skin. Almond oil – Rich in Vitamin E, almond oil provides deep dryness and lighten dark circles and fine lines. Coconut Oil - that protect the skin from infection. It is especially beneficial Oil - This oil is similar to the skin's natural oil, so it absorbs beneficial for both oily and sensitive skin. Argan Oil - Also an instant glow and helps reduce wrinkles. Rosehip Oil - Rich blemishes, pigmentation, and signs of aging. Avocado Oil - It skin soft and smooth. Sesame Oil - Sesame oil is considered warmth in the skin and enhances its natural glow. Grape seed oil - This oil is light and non-greasy, which moisturizes and brings glow to the skin without making it feel sticky. Castor oil - Beneficial for extremely dry skin. It helps in skin repair, but it is better to apply it mixed with a lighter oil. Olive oil - Rich in antioxidants, olive oil nourishes the skin and retains moisture for a long time. How to use? After cleansing your face at night, warm 2-3 drops of face oil in your palms and massage it gently on your face. With regular use, your skin will remain soft, healthy and glowing even in winter.

After the success of 'Stree 2', Shraddha Kapoor turned down films for this reason, saying, "I was offered a lot of money, but...



Actress Shraddha Kapoor has revealed why she turned down films offered to her after the success of Stree 2. Shraddha was offered films after Stree 2. After two and a half years, Shraddha will be seen in 'Itha'. Shraddha's film will be released on December 4th. After almost two and a half years, Shraddha Kapoor is all set to return to the big screen with the film 'Itha'. Since the success of 'Stree 2', the audience has been waiting for her upcoming film, which is now about to end. Shraddha Kapoor's upcoming film 'Itha' is going to hit theaters next month. Meanwhile, the actress has revealed that she was offered many films before 'Itha', but she turned them all down. Shraddha spoke on the two and a half year gap - The success of 'Stree' and 'Stree 2' changed Shraddha Kapoor's fortunes. Shraddha Kapoor has been absent from films since the success of "Stree 2" in 2024. She was linked to several films, but finally, "Eetha" was announced. Now, Shraddha says that after "Stree 2," she received numerous film offers, but she turned them all down. During an Ask Me session on her Instagram account, Shraddha Kapoor explained the reason for her two-and-a-half-year absence from films. She said, "After Stree 2, I received numerous film offers and a lot of money, but I decided not to sign any film until I found the perfect story. My heart told me to be patient, and I did just that. Waiting was difficult." Shraddha Kapoor further added, "Of course, it's difficult to wait for something you really want, but right now, I feel very proud that I decided to wait. So, I would just say, listen to your heart." It can be difficult at times, but it's totally worth it in the end." When is Itha releasing? - 'Chhava' director Laxman Utekar has directed Itha. The film is a biographical drama of Lavani artist Vithabai Narayangaonkar, in which Shraddha Kapoor plays the role of Vithabai. The film also stars Randeep Hooda, Mohammed Zeeshan Ayyub and late actor Nana Patekar in pivotal roles. The film will release in theatres on December 4.

The director was obsessed with making 'Ramayana', willing to sell his house; the mythological show brought recognition to the small screen.



A filmmaker was so obsessed with making 'Ramayana' on the small screen that he was willing to sell his house. The Ramayana show came to the small screen - the director had staked everything - the serial is still considered a cult. The film 'Ramayana', made with a budget of Rs. 4000 crore, will be released in theaters on Thursday. Producer Namit Malhotra has placed such a huge bet on both parts of this mythological film. But did you know that in the history of Hindi cinema, there was a filmmaker who was willing to sell his own house to make a serial based on the Ramayana? He became so obsessed with making the Ramayana TV serial that he did not even care about his family. Let's find out who that great director was. The Madness of Making Ramayan - Just as Mughal-e-Azam director K. Asif was called the mad filmmaker of Hindi cinema, he was called so not because of his mental condition but because of his grandeur, and perfectionism in filmmaking. Similarly, director Ramanand Sagar displayed a similar madness in making Doordarshan's cult classic mythological show Ramayan. The extent of his passion for the Ramayana serial was recently revealed by Ramanand Sagar's youngest son, Moti Sagar, in a recent interview with NDTV, who revealed that his father risked everything to make this mythological show. Moti explained, "Making Ramayan was my father's (Ramanand Sagar's) dream, and he was very enthusiastic about it." You can imagine his passion from the fact that he once called all five of us brothers together and said, "Look, I'm going to make a show called Ramayan, and for this I might even sell my house. So, I can do this to make it. If you guys have any objections, let me know because I've decided to make Ramayan." Now, how could we brothers stop our father's dream from coming true? The 39-year-old Ramayan is still memorable - In 1987, under the direction of Ramanand Sagar, the Ramayan TV show was first aired on Doordarshan TV channel. Inspired by the Hindu epic Ramcharit Manas, everyone liked the cast and the simplicity of the show, and that's why even today, 39 years later, Ramayan is considered a cult classic.

He created his own "Pyre" while still alive, a heartbreaking story about an elderly couple; it won 12 awards worldwide.

Pyre is a film that may not be making waves at the box office, but it's already resonating at film festivals around the world. Its story will be moving. It took eight years to make, and it's a hit at international festivals - with an 8.1 rating on IMDb. Beautiful mountains, blue skies, clear rivers, and air... the valleys of Uttarakhand may seem serene to urban dwellers, but the reality is far different. "Pyre" offers a close look at the challenges of living in the hills. It's not about A-list stars, a big budget, or a prominent director... "Pyre" is in the news solely for its heartwarming story. This 115-minute film has created a sensation worldwide. It was screened at numerous international film festivals and won 12 international awards. What is it about this film, and why is it garnering worldwide attention and praise? Let us tell you about it... What is the story of the film 'Pyar'? 'Pyar' means 'funeral pyre' in Hindi. The story is about an elderly couple, Padam Singh and Tulsi, living in a remote Kumaoni village in Uttarakhand. They live in a village with no hospital, no electricity, and no roads. The village is becoming deserted. Besides 80-year-old Padam and his wife, Tulsi, only seven other people live in the village. When Tulsi falls ill, Padam pleads with two young men in his village to take her to the hospital, offering his goats in exchange. The doctor says they need to bring Tulsi back to the hospital, but the problem is that the two remaining young men have already planned to leave. Now, who will take Tulsi to the hospital? Because he can't carry her alone across dangerous mountains and rivers? Hope for a son, fear of the 'pyre'—gradually, another family left the village. Now, only one other couple remains. The worry is, if they too leave, who will perform their last rites? Padam and Tulsi receive a letter announcing their son's return from the city 28 years ago. They erupt in celebration, but he doesn't come. Their hope is shattered. One day, Padam builds two pyres outside the house and tells Tulsi that they should commit suicide by jumping off the mountain. The least the villagers can do is perform their last rites, but Tulsi ignores his request. One morning, she wakes up to find Padam lying on the pyre. She tries to wake him, but he doesn't get up. Tulsi, lonely and broken, performs her husband's last rites alone. Some time later, another letter arrives. The letter-giver says he's brought a letter from her son. Tulsi then makes a revelation that will bring tears to your eyes. Based on a true story, the film depicts an emotional journey of migration, loneliness, love, waiting, and lifelong togetherness. Despite their difficult lives, Padma and Tulsi navigate this journey through banter, love, care, and mutual concern. Their loving relationship is heartwarming. This film is based on a true story. The film's story is inspired by the true story of an elderly couple living in Munsyari, Uttarakhand.